प्रथम सेमेस्टर

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: अहिंसा की संस्कृति एवं परंपरा (CC)
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MGPS-001
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: प्रथम**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+8= 20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य भारतीय संस्कृति में अहिंसा के महत्व और मानवीय सरोकारों से अवगत होना तथा व्यवहारिक जीवन में प्रयोग और अनुशीलन से मानवीय मूल्य को विकसित करना परम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम PLOs(Programme Learning Outcomes) : पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत:

ज्ञान संबंधी	छात्र भारतीय संस्कृति के चिंतन से अवगत होगा।
कौशल / दक्षता संबंधी	छात्र भारतीय संस्कृति के प्रमुख आयाम 'अहिंसा' के अध्ययन से सामासिक संस्कृति में अपना योगदान दे सकेगा। छात्र अहिंसा की संस्कृति से अहिंसक जीवन शैली को विकसित कर सकेगा।
रोजगार संबंधी	छात्र अपने जीवन में तथा अपने कार्य प्रध्दतियों में समन्वय पूर्ण व्यवहार को विकिसित कर सामाजिक शांति का कारक बनेगा।

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल - 1 भारतीय सनातन परंपरा	• वैदिकसंस्कृति और अहिंसा • उपनिषद • धर्मग्रंथ एवं मिथक (रामायण,महाभारत, गीता) • प्रमुख दार्शनिक धाराएँ (न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, पूर्वमीमांसा, वेदान्त	**10**	**03**	02	15	
मॉड्यूल - 2 श्रमण संस्कृति :	• बुध्द और उनके जीवन की	10	03	02	15	

बौध्द धर्म	प्रमुख घटनायें • आर्य सत्य, अष्टांगिक मार्ग, प्रतीत्य समुत्पाद • बौध्द दर्शन की प्रमुख धाराएँ : हीनयान, महायान • प्रमुख बौध्द दार्शनिक : नागार्जुन, बुध्दघोष					
मॉड्यूल - 3 श्रमण संस्कृति : जैन धर्म	• पार्श्वनाथ, ऋषभदेवएवं महावीर के जीवन की प्रमुख घटनाएँ • पंच महाव्रत, अनेकांतवाद, स्यादवाद • प्रमुख दार्शनिक शाखाएँ : दिगंबर एवं श्वेताम्बर • प्रमुख जैन दार्शनिक : आचार्य कुंदकुंद, उमास्वाती, हरिभ्रद सूरी	10	03	02	15	
मॉड्यूल - 4 विविध धर्मों मे अहिंसा की परंपरा	• इस्लाम • इसाईयत • पारसी • ताओ, कन्फ्यूशियस	10	03	02	15	
योग		**40**	**12**	**08**	**60**	

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीकएवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अधिगम
विधियाँ	व्याख्यान विधि, संवाद प्रणाली एवं प्रश्नोत्तर प्रणाली
तकनीक	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, सहायक सामाग्री का प्रयोग, श्यामपट का प्रयोग एवं विभिन्न शैक्षणिक तकनीकि का प्रयोग
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख फोटो प्रति आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
अहिंसा की संस्कृति पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	--

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा(75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• गांधी, महात्मा, सत्य के प्रयोग या आत्मकथा, (1975), नई दिल्ली,

		सस्ता साहित्य मंडल
2	संदर्भ-ग्रंथ	• दत्त, धीरेन्द्र मोहन, महात्मा गांधी का दर्शन (1985), पटना, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी • नंदा, बी.आर., महात्मा गांधी एक जीवनी, (1965), नई दिल्ली, सस्ता साहित्य मंडल • बंग, ठाकूर दास, सत्याग्रह : क्या, क्यों और कैसे (1986) वाराणसी, सर्वसेवा संघ प्रकाशन • रोलां, रोमां : महात्मा गांधी जीवन और दर्शन (1976) इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन • राजगोपालचारी, चक्रवर्ती, महाभारत, रामायण, नई दिल्ली, सस्ता साहित्य मंडल • विनोबा, आचार्य, ताओ कुरान-सार, कन्फ्यूशियस वाराणसी, सर्व सेवा संघ प्रकाशन • तुलसी, आचार्य – जैने धर्म के प्रमुख सिध्दांत • नरसू, पी.एस. – बौध्द धर्म का सार • काणे, पी.व्ही. – भारतीय धर्मशास्त्र • Chattarjee, M. – Gandhi's Religious Thought, (1983) Londan, Macmillan • Bakshi, S.R. – Gandhi and Idology of Non Violence, (1986) New Delhi, Criterion Publication • Fulop. N. – Gandhi : The Holy Man (1931) Londan, G.P. Putnam's Sons • Gregg. R.B. – The Power of Non Violence, (1960) Ahemdabad, Navajivan Publishing House
3	ई-संसाधन	• ऑन लाइन व्याख्यान।
4	अन्य	• पत्र-पत्रिकायें

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

4. पाठ्यचर्या का नाम: मोहन से महात्मा (CC)
(Name of the Course)

5. पाठ्यचर्या का कोड: MGPS-002
(Code of the Course)

6. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: द्वितीय**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+8= 20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य गांधी के मोहन से महात्मा बनने की प्रेरक घटना क्रम से छात्रों को प्रेरित करना जिससे छात्र स्वयं जीवन संघर्ष में उद्देश्यपूर्ण आहावान के प्रति जागृत हों।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम PLOs(Programme Learning Outcomes) : पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत:

ज्ञान संबंधी	छात्र महात्मा गांधी के जीवन से प्रेरणा ग्रहण करेगा।
कौशल / दक्षता संबंधी	छात्र महात्मा गांधी के कर्मशील जीवन से जीवन की दक्षता ग्रहण कर सकेगा।
रोजगार संबंधी	छात्र अपने जीवन की गतिविधियों में व्यवसायपरक बन सकेगा।

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल - 1 परंपरा की विरासत और मोहन	• कठियावाड़ : इतिहास और भूगोल • परिवार और परंपरा • धार्मिक विरासत और उनका प्रभाव • 19वीं सदी का भारत और आधुनिकता का प्रभाव	**10**	**03**	02	15	
मॉड्यूल - 2 क्रमिक विकास और निष्पत्ति तथा इंग्लैण्ड	• क्रमिक विकास में जीवन • अपमान और अंतर्दृष्टि का विकास • भोजन और भद्र-पुरुष बनने के प्रयोग	10	03	02	15	

	• विलायती ताना-बाना और उससे मुक्ति					
मॉड्यूल - 3 योध्दा संन्यासी का जन्म और दक्षिण अफ्रिका	• डरबन और प्रिटोरिया : परिवर्तन और राजनीति की प्रयोगशाला • बैरिस्टर गांधी • रंगभेद और गांधी • जोहांसबर्ग और सत्याग्रह	10	03	02	15	
मॉड्यूल - 4 महात्मा की प्रविधि	• सेवा • आत्मबल • त्यागवृत्ति • ब्रह्मचर्य	10	03	02	15	
योग		**40**	**12**	**08**	**60**	

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीकएवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अधिगम
विधियाँ	व्याख्यान विधि, संवाद प्रणाली एवं प्रश्नोत्तर प्रणाली
तकनीक	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, सहायक सामाग्री का प्रयोग, श्यामपट का प्रयोग एवं विभिन्न शैक्षणिक तकनीकि का प्रयोग
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख फोटो प्रति आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
मोहन से महात्मा पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	--	X	X	X	X	X	--

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा(75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• गांधी, महात्मा, सत्य के प्रयोग या आत्मकथा, (1975), नई दिल्ली, सस्ता साहित्य मंडल • गांधी, महात्मा – दक्षिण अफ्रिका में सत्याग्रह का प्रयोग (1927), नई दिल्ली, सस्ता साहित्य मंडल • गांधी, महात्मा - मेरे सपनो का भारत (1960), अहमदाबाद, नव जीवन प्रकाशन • गांधी, महात्मा – हिन्द स्वराज (1973), अहमदाबाद, नव जीवन प्रकाशन
2	संदर्भ-ग्रंथ	• नंदा, बी.आर., महात्मा गांधी एक जीवनी, (1965), नई दिल्ली, सस्ता साहित्य मंडल • बंग, ठाकूर दास, सत्याग्रह : क्या, क्यों और कैसे (1986) वाराणसी, सर्वसेवा संघ प्रकाशन • रोलां, रोमां : महात्मा गांधी जीवन और दर्शन (1976) इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन

		• Bakshi, S.R. – Gandhi and Idology of Non Violence, (1986) New Delhi, Criterion Publication • Fulop. N. – Gandhi : The Holy Man (1931) Londan, G.P. Putnam's Sons • Gregg. R.B. – The Power of Non Violence, (1960) Ahemdabad, Navajivan Publishing House
3	ई-संसाधन	• ऑन लाइन व्याख्यान।
4	अन्य	• पत्र-पत्रिकायें

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: गांधी का समाज चिंतन (CC)
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MGPS-003
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: तृतीय**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+8= 20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य सामाजिक समन्वय की संस्कृति से छात्र को बोधित कराना तथा सामाजिक जीवन में समभाव की उत्प्रेरणा गांधी चिंतन से विकसित करना।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम PLOs(Programme Learning Outcomes) : पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत:

ज्ञान संबंधी	सामाजिक जीवन के प्रति छात्र की संवेदनशीलता व्यवहारिक रुप से पल्लवित होगी।
कौशल / दक्षता संबंधी	सामाजिक समरसता में समभाव का प्रतिफल प्राप्त होगा।
रोजगार संबंधी	जीवन के विभिन्न पहलुओं के प्रति छात्र में समाज के प्रति उत्तरदायित्व की चेतना जगेगी।

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल - 1 गांधी की सामजिकी	• व्यक्ति और समाज : पारंपरिक सम्बन्ध • परिवार : उद्भव और विकास • समाज व्यवस्था • मानव- समाज	**10**	**03**	02	15	
मॉड्यूल - 2 सामाजिक बुराइयाँ और उनका उन्मूलन	• वर्ण-व्यवस्था का अर्थ और महत्व • अस्पृश्यता निवारण • अस्वच्छता की समस्या और निवारण • मादक वस्तु निषेध	10	03	02	15	
मॉड्यूल - 3	• महिलाएं और आर्थिक	10	03	02	15	

महिलाओं की सामाजिक स्थिति और सशक्तीकरण	स्वावलम्बन • महिलाएं और शिक्षा • महिलाएं और राजनीति • महिलाएं और मानवाधिकार					
मॉड्यूल - 4 सामाजिक सद्भाव : धर्म और नैतिकता	• धर्म और नैतिकता : अर्थ एवं महत्व • सर्वधर्म समभाव • सांप्रदायिकता • धर्म निरपेक्षता	10	03	02	15	
योग		**40**	**12**	**08**	**60**	

टिप्पणी:

5. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीकएवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अधिगम
विधियाँ	व्याख्यान एवं विश्लेषण विधि, संवाद प्रणाली एवं प्रश्नोत्तर प्रणाली
तकनीक	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, सहायक सामाग्री का प्रयोग, श्यामपट का प्रयोग एवं विभिन्न शैक्षणिक तकनीकि का प्रयोग
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख फोटो प्रति आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
गांधी का समाज चिंतन पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	--	X	X	X	X	X	--

टिप्पणी:

5. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा(75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• गांधी, महात्मा - मेरे सपनो का भारत (1960), अहमदाबाद, नव जीवन प्रकाशन • गांधी, महात्मा – हिन्द स्वराज (1973), अहमदाबाद, नव जीवन प्रकाशन
2	संदर्भ-ग्रंथ	• बंग, ठाकूर दास, सत्याग्रह : क्या, क्यों और कैसे (1986) वाराणसी, सर्वसेवा संघ प्रकाशन • देसाई, नीरा, भारतीय समाज में महिलाएँ, नई दिल्ली, एन.बी.टी. • गाधी, महात्मा, रचनात्मक कार्यक्रम, अहमदाबाद, नवजीवन प्रकाशन • सिंह, रामजी, समाज दर्शन के मूल सिध्दांत, जयपुर, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमि • शर्मा, वेद प्रकाश, महात्मा गांधी नैतिक दर्शन, दिल्ली, इंदु प्रकाशन • मोदी, नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, गांधी दर्शन : सामाजिक संदर्भ, दिल्ली, शिल्पायन
3	ई-संसाधन	• ऑन लाइन व्याख्यान, पी.पी.टी. ।
4	अन्य	• पत्र-पत्रिकायें

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

4. पाठ्यचर्या का नाम: शांति की संस्कृति और गांधी (CC)
(Name of the Course)

5. पाठ्यचर्या का कोड: MGPS-004
(Code of the Course)

6. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: चतुर्थ**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+8= 20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य मानसिक शांति की पहचान तथा सामाजिक शांति के हेतू छात्र में जीवन मूल्यों से अवगत करना।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम PLOs(Programme Learning Outcomes) : पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत:

ज्ञान संबंधी	सूक्ष्म शांति व स्थूल शांति के अंतर को स्पष्ट करते हुये वास्तविक शांति की पहचान।
कौशल / दक्षता संबंधी	मानसिक व पारिवारिक शांति के परिप्रेक्ष्य में सामाजिक शांति के प्रति चिंतन का व्यवहारिक स्वरूप समझना।
रोजगार संबंधी	समस्या निष्पादन में कार्य स्थल पर विवेकपूर्ण समाधान खोजना।

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल - 1 शांति की संस्कृति	• शांति का अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार • शांति की अवधारणा • शांति की संस्कृति की पहचान • शांति का दर्शन	**10**	**03**	02	15	
मॉड्यूल - 2 शांति शिक्षा	• शांति के शिक्षा • जीवन शैली के रुप में शांति का प्रयोजन • शांति के मूल्य • शांति के कौशल	10	03	02	15	
मॉड्यूल - 3 शांति एवं शांति	• शांति शोध • शांति और द्वंद्व निवारण	10	03	02	15	

शोध	• संघर्ष समाधान • शांति शोध की प्रविधि					
मॉड्यूल – 4 गांधी के प्रयोग एवं शांति	• सत्याग्रह और गांधी • अहिंसक प्रतिरोध • शांति सेना • शांति आंदोलन	10	03	02	15	
योग		**40**	**12**	**08**	**60**	

टिप्पणी:

7. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
8. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीकएवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अधिगम
विधियाँ	व्याख्यान एवं विश्लेषण विधि, संवाद प्रणाली एवं प्रश्नोत्तर प्रणाली
तकनीक	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, सहायक सामाग्री का प्रयोग, श्यामपट का प्रयोग एवं विभिन्न शैक्षणिक तकनीकि का प्रयोग
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख फोटो प्रति आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शांति की संस्कृति और गांधी पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	--	X	X	X	X	X	--

टिप्पणी:

7. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा(75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• शर्मा, देवदत्त, गांधी और विश्व शांति, वाराणसी, सर्व सेवा संघ प्रकाशन • राममूर्ति, आचार्य, शांति सेना, वाराणसी, सर्व सेवा संघ प्रकाशन • गालतुंग, जे.और.डी. इकेडा (1995) चूज पीस, लंदन, प्लूटो प्रेस • बालासूर्या, ए.एस. (1994), टीचिंग टू चिल्ड्न, महारागामा, श्रीलंका : नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन • हैरिस, आई.एम. (1988), एजुकेशन फॉर पीस, लंदन : मैकफारलैंड एंड कंपनी • मारिया, डी. (2003), वैल्यू एजुकेशन फॉर पीस, द सी टी. आई जर्नन, 2(3) • सिंह, रामजी, पीस आयडीओलॉजी अन्ड एक्शन, वाराणसी, सर्व सेवासंघ प्रकाशन • प्रसाद, देवी, पीस एजुकेशन ऑर एजुकशन फॉर पीस, वाराणसी, सर्व सेवासंघ प्रकाशन
3	ई-संसाधन	• ऑन लाइन व्याख्यान, पी.पी.टी. ।
4	अन्य	• पत्र-पत्रिकायें

पाठ्यचर्या विवरण

1. पाठ्यचर्या का नाम: मानवाधिकार
2 पाठ्यचर्या का कोड: ECO-01
3 क्रेडिट: 04
4. सेमेस्टर: तृतीय
5 पाठ्यचर्या विवरण:

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	04
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

एक अहिंसक और शांतिपूर्ण समाज के निर्माण के लिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक मनुष्य को जन्म से ही स्वतन्त्र या गरिमा और अधिकारों में समान मानते हुए कुछ ऐसे अधिकार प्राप्त हो जिनसे उसे किसी भी स्थिति में वंचित नहीं किया जा सकें।

इस पाठ्यक्रम के द्वारा मानवाधिकारों के दार्शनिक तथा सैद्धांतिक पक्ष को समझाने का प्रयास किया जाएगा।राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में मानवाधिकारों के लिए कार्यरत संस्थाओं और संगठनों के महत्व से परिचित कराया जाएगा।भारत में मानवाधिकारों की स्थिति एवं भारतीय संविधान में प्रदत्त अधिकारों की जानकारी प्रदान की जाएगी।वर्तमान समय में मानवाधिकारों के समक्ष क्या क्या चुनोतियाँ है और भविष्य में किस प्रकार से इन समस्याओं का निराकरण किया जा सकता है उसका अध्ययन कराया जाएगा।

6 अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. विद्यार्थी मानवाधिकारों के दार्शनिक पहलुओं को समझ सकेंगे।
2. उनकी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में स्पष्ट समझ विकसित होगी ।
3. वे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा मानवाधिकारों के लिए किये गए प्रयासों को समझ सकेंगे ।
4. वे भारत में मानवाधिकारों के लिए किये गए कार्यों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/		

				कौशल विकास गतिविधियाँ	घंटे	अंश
मॉड्यूल 1	1. मानवाधिकार का परिचय 2. मानवाधिकार : दार्शनिक आधार 3. मानवाधिकार के चरण 4. मानवाधिकार के विभिन्न सिद्धांत	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 2	1. मानवाधिकार का सार्वभौम घोषणा पत्र 2. विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संविदाएं 3. विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाएं 4. राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाएं	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 3	1. भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार – मूल अधिकार, नीति निर्देशक तत्व और मूल कर्तव्य 2. महिला एवं बाल अधिकार 3. अनुसूचित जाति एवं जनजातियों के अधिकार	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 4	1. सामाजिक चुनौतियां – जातिवाद,साम्प्रदायिकता 2. आर्थिक चुनौतियां – गरीबी, बेरोजगारी,वैश्वीकरण 3. राजनीतिक चुनौतियां – अस्थिरता,आतंकवाद, क्षेत्रीयता	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
योग		**48**	**8**	**4**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1 माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2 प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल **15** घंटे निर्धारित हैं।
3

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबंधित विषय पर लेखन कौशल का विकास

	एक मानवाधिकार कार्यकर्ता के कौशल का विकास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	**X**	**X**	**X**	**-**	-	-	-

टिप्पणी**:**

1 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी** (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

1. Acharya, N.K., Commentary on Protection of Women From Domestic Violence Act, 2005, Asia Law House, Hyderabad, 2005.
2. Aftab, Alam.(2014). Human Rights in India: Issue and Challenges. Raj Publications, Delhi.
3. Agosin, Marjaric Women Gender and Human Rights: A Global Perspective, Rawat Publications, Jaipur, 2003. Agrawal, H.O., Human Rights, (ed.) Central Law Publications, Allahabad, 2003.
4. Ahuja, Ram, Crime Against Women, Rawat Publication, Jaipur, 1987.
5. Alexander, Fran (ed) (1998). Encyclopedia of World History. Oxford University Press.
6. Alston, Philip (2005). "Ships Passing in the Night: The Current State of the Human Rights and Development Debate seen through the Lens of the Millennium Development Goals". Human Rights Quarterly
7. Arnhart, Larry (1998). Darwinian Natural Right: The Biological Ethics of Human Nature SUNY Press.
8. Ball, Olivia; Gready, Paul (2007). The No-Nonsense Guide to Human Rights. New Internationalist.
9. Barzilai, Gad. (2003). Communities and Law: Politics and Cultures of Legal Identities. Ann Arbor: University of Michigan Press.
10. Chauhan, O.P. (2004). Human Rights: Promotion and Protection. Anmol Publications PVT. LTD.
11. Cook, Rebecca J.; Fathalla, Mahmoud F. (September 1996). "Advancing Reproductive Rights Beyond Cairo and Beijing". International Family Planning Perspectives
12. Cope, K., Crabtree, C., &Fariss, C. (2020). Patterns of disagreement in indicators of state repression. Political Science Research and Methods, 8(1), 178–187.

13. Davenport, Christian (2007a). State Repression and the Domestic Democratic Peace. New York: Cambridge University Press.
14. Donnelly, Jack. (2003). Universal Human Rights in Theory & Practice. 2nd ed. Ithaca & London: Cornell University Press.
15. Ellerman, David (2005). Helping People Help Themselves: From the World Bank to an Alternative Philosophy of Development Assistance. Ann Arbor: University of Michigan Press.
16. Esposito, John L. (2005). Islam: The Staight Path. Oxford University Press.
17. Finnis, John (1980). Natural Law and Natural Rights Oxford: Clarendon Press.
18. Forsythe, David P. (2000). Human Rights in International Relations. Cambridge: Cambridge University Press. International Progress Organization.
19. Forsythe, David P. (2005). The Humanitarians: The International Committee of the Red Cross Cambridge University Press.
20. Freedman, Lynn P.; Isaacs, Stephen L. (Jan–Feb 1993). "Human Rights and Reproductive Choice". Studies in Family Planning **Vol.24** (No.1):
21. Ignatieff, Michael (2001). Human Rights as Politics and Idolatry. Princeton & Oxford: Princeton University Press.
22. Glendon, Mary Ann (2001). A World Made New: Eleanor Roosevelt and the Universal Declaration of Human Rights. Random House of Canada Ltd.
23. Haddad, Yvonne Yazbeck; Esposito, John L. (1998) Islam, Gender, and Social Change. Oxford University Press US.

पाठ्यचर्या विवरण

1. पाठ्यचर्या का नाम: गांधी : जीवन और चिंतन
2 पाठ्यचर्या का कोड: ECO-02
3 क्रेडिट: 02
4. सेमेस्टर: तृतीय
5 पाठ्यचर्या विवरण:

भारतीय राष्ट्र -राज्य के संस्थापक,उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन के सर्वप्रमुख नेता,सामाजिक और सभ्यता मूलक चिंतक महात्मा गांधी द्वारा आधुनिक राजनीति में सत्य,अहिंसा,अपरिग्रह, अस्तेय,स्वदेशी,सत्याग्रह, सविनय अवज्ञा, ट्रस्टीशिप, सर्वोदय, अन्त्योदय जैसी अवधारणाओं के जनक गांधी जी के जीवन दर्शन से सम्बंधित हर घटना और उनके द्वारा किए गए प्रयोगों का इस पाठ्यक्रम में अध्ययन कराया जाएगा।इसके अतिरिक्त गांधी जी का प्रारंभिक जीवन,विदेश प्रवास एवं प्रयोग,सत्य, अहिंसा,ईश्वर की अवधारणा, सत्याग्रह, एकादश व्रत,और आश्रम के प्रयोगों का अध्ययन किया जाएगा।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	24
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	02
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

6 अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. विद्यार्थियों को गांधी विचारों की समझ विकसित होगी।
2. गांधी द्वारा प्रतिपादित नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों की समझ विकसित होगी।
3. सत्याग्रह की अवधारणा की समझ विकसित करना।
4. सत्य तथा अहिंसा के प्रयोगों के प्रति समझ का निर्माण होगा।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल	5. गांधी का आरंभिक जीवन 6. गांधी का विदेश प्रवास व प्रयोग	12	2		15	

1	7. सत्य और अहिंसा की अवधारणा 8. ईश्वर की अवधारणा			**1**		**50%**
मॉड्यूल 2	5. सत्याग्रह 6. सर्वोदय 7. न्यासिता,ट्रस्टीशिप 8. एकादश व्रत व आश्रम के प्रयोग	**12**	**2**	**1**	**15**	**50%**
योग		**24**	**4**	**2**	**30**	**100%**

टिप्पणी:

4 माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक**/** उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
5 प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल **15** घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबंधित विषय पर लेखन कौशल का विकास एक मानवाधिकार कार्यकर्ता के कौशल का विकास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	**X**	**X**	**X**	-	-	-	-

टिप्पणी**:**

3 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

4 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन	**मौखिकी**

(80%)			(20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

1. Gandhi, M.K. (2011). An Autobiography or The Story of My Experiment with Truth. Ahmedabad: Navajivan Publishing House
2. Gandhi, M.K. (1945). Constructive Programmes: Its Meaning and Place. Ahmedabad. Navajivan Publishing House.
3. Gandhi, M.K. (1948). Delhi Diary (Prayer Speeches from 10-9-1947 to 30-1-1948) . Ahmedabad Navajivan Publishing House
4. Gandhi, M.K.(1930). Ethical Religion: Neeti Dharma.Tr.by A.Rama Iyyer from Hindi. Madras: S. Ganeshan
5. Gandhi, M.K. (2011). India of My Dreams . New Delhi. Rajpal and Sons Gandhi, M.K. (2013). Hind Swaraj. Centenary Edition. Rajpal Publication,
6. Gandhi, M. K.(1955). My Religion . Ahmedabad. Navajivan Publishing House Gandhi, M. K. (1949). Non-violence in Peace and War, Navjeevan Trust
7. Gandhi, M.K. (1972). Satyagraha in South Africa . Ahmedabad. Navajivan Publishing House
8. Gandhi, M.K. (1998). The Bhagvadgita . Delhi: Orient Paperbacks Mahatma Gandhi (1957). An Autobiography: The Story of My Experiments with Truth
9. Martin Burgess Green (1993). Gandhi: voice of a new age revolution
10. Arthur Herman (2008). Gandhi & Churchill: The Epic Rivalry that Destroyed an Empire and Forged Our Age Gandhi, M.K. "Some Rules of Satyagraha Young India (Navajivan) 23 February 1930". The Collected Works of Mahatma Gandhi
11. Rafiq Zakaria (2002). The Man who Divided India
12. Christopher, Chapple . (1993). Nonviolence to Animals, Earth, and Self in Asian Traditions
13. Faisal, Devji. (2012). The Impossible Indian: Gandhi and the Temptation of Violence . Harvard University Press

द्वितीय सेमेस्टर
पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1 पाठ्यचर्या का नाम: संघर्ष एवं समाधान

2 पाठ्यचर्या का कोड: MGP-005

3क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	04
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**68**

5 पाठ्यचर्या विवरण:

प्रस्तुत पाठचर्या संघर्ष के कारणों को और उसके निदान के तरीकों के समाज का बोध पैदा करती है। संघर्ष आज एक वैश्विक परिघटना है। अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध के कई स्वरुप हमारे सामने है। समय के साथ-साथ युद्धों की प्रकृति भी बदली है और इसके प्रभाव भी ज्यादा विनाशकारी हुए हैं। युद्य और संघर्षों की बहुकता के इस युग में इसके खतरों के प्रति सचेतनता भी बढ़ी है, और संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं संघर्ष समाधान के लिये लगातार प्रयत्नशील हैं। प्रस्तुत पाठ्यचर्या को पढ़कर विद्यार्थी वर्तमान के अंतरराष्ट्रीय विवादों को समझ कर इसे दूर करने के संस्थागत प्रयासों को विस्तार से समझ सकेंगे।

6 अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. विद्यार्थी संघर्ष के कारणों और उसके समाधान के तरीकों को समझ सकेंगे।
2. वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले मुद्यों की राजनीति और उनके तरीकों को समझ सकेंगे।
3. वे वैश्विक राजनीतिक और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय विवादों से परिचित हो सकेंगे।
4. वे विश्वशांति के लिये संयुक्तराष्ट्रसंघ और और अन्य शांतिवादी संस्थाओं के कार्यप्रणाली-एवं गतिविधियों से परिचित होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**1.** संघर्ष का अर्थ एवं प्रकार 2. संघर्ष के कारण 3. संघर्ष एवं समाधान 4. संघर्ष समाधान के तरीके	**15**	**1**	**1**	**17**	**25%**

मॉड्यूल 2	1. युद्ध की परिभाषा एवं प्रकृति 2. युद्ध के कारण 3. युद्धों का वर्गीकरण 4. युद्ध का प्रभाव	**15**	**1**	**1**	**17**	**25%**
मॉड्यूल 3	1 विश्व शांति में राष्ट्र संघ की भूमिका 2. संयुक्तराष्ट्र संघ और संघर्ष समाधान 3. आणविक युद्ध के खतरे और निशस्त्रीकरण 4. नई विश्व व्यवस्था और विश्वशांति	**15**	**1**	**1**	**17**	**25%**
मॉड्यूल 4	1. वर्तमान के अंतरराष्ट्री विवाद 2. अंतरराष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्ण समाधान 3 अंतरराष्ट्रीय विवादों के बाध्यकारी उपाय 4 संघर्ष समाधान का गांधीवादी दृष्टिकोण	**15**	**1**	**1**	**17**	**25%**
योग		**60**	**4**	**4**	**68**	**100%**

टिप्पणी:

6 माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक**/** उप**-**शीर्षक रखे जा सकते हैं।
7 प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल **15** घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास शांति कार्यकर्ता के कौशल का विकास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रन्थों एवं मूल पाठ्यपुस्तकों पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के आध्यान, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना	विद्यार्थी संबंधित विषय के अध्ययन द्वारा समाज में संबंधित विषय में ज्ञान उत्पादन अग्रसर होगा	संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	संबंधित विषय में गैर-सरकारी क्षेत्र जैसे कि एन जी ओ आदि में रोजगार के अवसर मिलेंगे। वह स्वयं की सामाजिक संस्था बना कर समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए काम करेगा।

टिप्पणी**:**

5 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

6 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	

पूर्णांक	**25**	**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी** (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

आधार ग्रंथ	• gandhi, m. k. (1948). non-voilence in peace and war . ahamdabad: navajivan publishing house. • gandhi, m. k. (1968). satyagrah in south africa. In *satyagrah in south africa.* ahamdabad: navjivan trust.
संदर्भ ग्रंथ	• Bondurant, J. V. (1988). conquest of violence. new jersey: princeton university press. • Bouldin, K. B., & Cully, H. B. (2018). conflict and defence. Valmy Publishing. • burrowes, r. j. (1996). the strategy of non-violenty defence a gadhian approach. newyork: state university of new york press albany. • desai, n. (1981). handbook of satyagrahis. new delhi: gandhi peace foundation. • gregg, r., & b. (1934). the power of non violence. cambridge university press. • jeong, h. w. (2000). peace and conflict studies an introduction. new york: ashgate publishing. • joseph, s. k., & mahodaya, b. (2009). non-violent struggles of the twentieth century : retospct and prospect. wardha and new delhi: instatute of gandhian studies and the gandhi peace foundation . • kriplani, j. (1958). class struggle. akhil bhartiy seva sangh prakashan. • kropotkin, p. (2019). mutual aid. british library. • pyarelal. (1950). a pilgrimage for peace. ahamdabad: navjivan publishing house.
ई-संसाधन	www.gandhiheritageportal.org www.libgen.ic e-pustkalaya
अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1पाठ्यचर्या का नाम: गांधी का राजनीतिक चिंतन और रचनात्मक प्रयोग

2 पाठ्यचर्या का कोड: MGP-006

3क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: द्वितीय

5 पाठ्यचर्या विवरण:

प्रस्तुत पाठ्यचर्या गांधीजी को राजनैतिक चिंतन और उसके रचनात्मक प्रयोगों पर आधारित है। गाँधी जी का राजनैतिक चिंतन रामराज्य के आदर्श की बुनियाद पर स्वराज की भावना में फलीभूत होता है। यह चिंतन सिर्फ आदर्शवादी युटोपिया पर आधृत न होकर गाँधीजी के ठोस राजनैतिक पहलकदलियों और प्रयोगों पर अपना स्वरुप ग्रहण करता है। इस पाठ्यचर्या में विद्यार्थी स्वराज, रामराज्य, विकेन्द्रीकरण शासनयुक्त समाज, जैसी अवधारणाओं से परिचित होने के साथ-साथ गाँधीजी के सत्याग्रह तथा उनके सक्रिय प्रयोग तथा रचनात्मक कार्यक्रमों की अवधारणा और उनके क्रियान्वयन के तरीकों से भी परिचित हो सकेंगे।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिका/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	04
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**68**

6 अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. विद्यार्थी गांधीजी के राजनैतिक चिंतन के दार्शनिक पहलुओं को समझ सकेंगे।
2. वे गाँधीवादी के एक प्रमुख आयाम रचनात्मक कार्यक्रम से परिचित हो सकेंगे।
3. वे गाँधीजी द्वारा स्थापित आश्रम की गतिविधियों एवं उनके प्रबंधन के तरीकों को समझ सकेंगे।
4. वे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में गाँधीवादी प्रतिविधियों से भी परिचित हो सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	9. गांधी की राजनीतिक पृष्ठभूमि 10. गांधी जी का दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह 11. निष्क्रिय प्रतिरोध और सत्याग्रह 12. अधिकार एवं कर्तव्यः गांधी दृष्टि	15	1	1	17	25%
मॉड्यूल 2	9. गांधी जी और स्वराज्य 10. गांधी के राज्य की अवधारणा 11. शासनमुक्त समाज एवं विकेन्द्रीकरण 12. गांधी जी के स्वराज्य की संकल्पनाः राम राज्य	15	1	1	17	25%

	का आदर्श					
मॉड्यूल 3	4. चम्पारण, खेड़ा एवं बारदोली 5. सविनय अवज्ञा, असहयोग आंदोलन 6. भारत छोड़ो आंदोलन 7. भारत विभाजन और गांधी की शहादत	**15**	**1**	**1**	**17**	**25%**
मॉड्यूल 4	4. आश्रम की संकल्पना और प्रयोग 5. फिनिक्स एवं टॉलस्टाय फार्म 6. सेवाग्राम आश्रम 7. रचनात्मक कार्यक्रम	**15**	**1**	**1**	**17**	**25%**
योग		**60**	**4**	**4**	**68**	**100%**

टिप्पणी:

8 माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
9 प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल **15** घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास एक शांति कार्यकर्ता के कौशल का विकास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रन्थों एवं मूल पाठ्यपुस्तकों पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के आध्यान, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना	विद्यार्थी संबंधित विषय के अध्ययन द्वारा समाज में संबंधित विषय में ज्ञान उत्पादन अग्रसर होगा	संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	संबंधित विषय में गैर-सरकारी क्षेत्र जैसे कि एन जी ओ आदि में रोजगार के अवसर मिलेंगे। वह स्वयं की सामाजिक संस्था बना कर समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए काम करेगा।

टिप्पणी**:**

7 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

8 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

आधार ग्रंथ	• महात्मा गांधी . (1968). दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह का इतिहास . अहमदाबाद: नवजीवन मुद्रणालय .
संदर्भ ग्रंथ	• bandopadhyaya, j. (1969). social and politicale thought of gandhi . bombay: bombay new york allied publishers. • bose, n. k. (2012). studies in gandhism. ahamdabad: navjivan trust. • kriplani, j. b. (1964). gandhian thought. chandigarh: panjab university publication bureau. • verma, v. p. (1965). the politicle philosophy of mahatma gan dhi and sarvodaya. agra: educational publication. • कुमार , ज. (n.d.). अकाल पुरुष गांधी . नई दिल्ली : सर्वोदय प्रकाशन . • गोपीनाथ धवन. (1951). सर्वोदय तत्व दर्शन . साहित्य प्रकाशन . • चंद्र , व. (2015). भारत का स्वतंत्रता संघर्ष . दिल्ली : हिन्दी माध्यम कार्यान्वन निदेशालय . • प्रभु , आ. क., &राव , य. आ. (2002). महात्मा गांधी के विचार. अहमदाबाद : नेशनल बुक ट्रस्ट. • प्रसाद , र. (1945). गांधी वाद और समाजवाद . सस्ता साहित्य मण्डल . • भावे , व. (1942). स्वराज्य शास्त्र. वर्धा: राधा कृष्ण बजाज मंत्री, ग्राम सेवा मण्डल, नालवाड़ी . • मोदी , न. प. (n.d.). लोकतन्त्र कावि कल्प लोकनीति . दिल्ली: मानक पब्लिकेशन . • वर्मा , व. (1979). महात्मा गांधी का नैतिक दर्शन . दिल्ली: इन्दु प्रकाशन . • शर्मा , द. (2006). गांधी रविश्व शांति . वाराणसी : सर्व सेवा संघ प्रकाशन . • सिंह, र. (n.d.). समाज दर्शन केमूल तत्व . जयपुर : राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी . • सुमन , र. (1939). गांधीवादी की रूप-रेखा . प्रयाग : साधना सदन .
ई-संसाधन	www.gandhiheritageportal.org www.libgen.ic e-pustkalaya
अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1पाठ्यचर्या का नाम: गांधी का आर्थिक चिंतन

2 पाठ्यचर्या का कोड: MGP-007

3क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिका/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	04
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**68**

5 पाठ्यचर्या विवरण:

प्रस्तुत पाठ्यचर्या गाँधीजी के आर्थिक चिंतन की समझ पैदा करती है। गाँधीजी के आर्थिक चिंतन पर कई दार्शनिकों का प्रभाव था परन्तु यह चिंतन अनिवार्यता समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति को अपने केनू में रखती है । सर्वोदय, स्वदेशी, ट्रस्टीशिप, अंत्योदय आदि गांधीजी के आर्थिक चिंतन के आधार स्तंभ हैं । प्रस्तुत पाठ्यचर्या विद्यार्थियों को गाँधीजी के आर्थिक चिंतन को बुनियादी तत्वों को समझाने में सहायक होगी। साथ-ही साथ वे वर्तमान की आर्थिक विसंगतियों को समझकर उसके गाँधीवादी हल प्रति जागरुक हो सकेंगे । साथ ही वे भारतीय आर्थिक नीति निर्धारण में गांधीवाद के प्रभावों को भी विस्तार से समझ सकेंगे ।

6 अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. विद्यार्थी गांधीजी के आर्थिक चिंतनके बुनियादी तत्वों को समझ सकेंगे।
2. वे आधुनिक सभ्यता में विकासति अर्थशास्त्र और उसकी सीमाओं को समझ सकेंगे ।
3. वे समकालीन परिदृश्य में बढती आर्थिक असमानता और उसके पाटने के उपायों पर विचार कर सकेंगे ।
4. वे समकालीन आर्थिक नीतियों में गाँधीवादी मूल्यों एवं तरीकों के शामिल होने को समझ सकेंगे ।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1 अर्थशास्त्र की परिभाषा 2 आधुनिक सभ्यता की आलोचना 3 गांधी के आर्थिक चिंतन पर पाश्चात्य और पौर्वात्य प्रभाव 4 सर्वोदय	**15**	**1**	**1**	**17**	**25%**
मॉड्यूल	1 अर्थशास्त्र और नीतिशास्त्र 2 ट्रस्टीशिप 3 स्वदेशी	**15**	**1**	**1**	**17**	**25%**

2	4 चरखा					
मॉड्यूल 3	1 आर्थिक असमानता 2 असमानता,अस्पृश्यता और लैंगिक भेद 3 गरीबी 4 अंत्योदय	**15**	**1**	**1**	**17**	**25%**
मॉड्यूल 4	1 भारतीय आर्थिक नीति पर गांधी का प्रभाव 2 गांधी और ग्रामीण विकास 3 तकनीक विकास और गांधी 4 जनसंख्या नीति और गांधी 5 रचनात्मक कार्यक्रम	**15**	**1**	**1**	**17**	**25%**
योग		**60**	**4**	**4**	**68**	**100%**

टिप्पणी:

10 माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक**/** उप**-**शीर्षक रखे जा सकते हैं।
11 प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल **15** घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास एक शांति कार्यकर्ता के कौशल का विकास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रन्थों एवं मूल पाठ्यपुस्तकों पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के आध्यान, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना	विद्यार्थी संबंधित विषय के अध्ययन द्वारा समाज में संबंधित विषय में ज्ञान उत्पादन अग्रसर होगा	संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	संबंधित विषय में गैर-सरकारी क्षेत्र जैसे कि एन जी ओ आदि में रोजगार के अवसर मिलेंगे। वह स्वयं की सामाजिक संस्था बना कर समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए काम करेगा।

टिप्पणी**:**

9 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी** (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

आधार ग्रंथ	• gandhi, m. k. (1967). Hind swarajya. ahamdabad: navjivan prakashan mandir. • gandhi, m. k. (2018). towards non-violent socialism. creative media partner,LLC. • गांधी , एम. के. (2009). यंत्रों की मर्यादा . अहमदाबाद: गुजरात विद्यापीठ . • गांधी, एम. के. (2011). ट्रस्टिशिप . अहमदाबाद: नव जीवन ट्रस्ट .
संदर्भ ग्रंथ	• gregg, r. (1958). a philosiphy of indian economic development. ahamdabad: navjivan publication housee. • joshi, d. (2002). gandhi ji on khadi. ahamdabad: navjivan trust. • kumarappa, b. (1965). capitalism, socilisam and villagism. varansi: sarv seva sangh prakashan. • kumarappa, j. c. (2010). gandhian economic thought. varansi: sarv seva sangh prakashan. • kumarappa, j. c. (2017). economic of permanence. varansi: sarv seva sangh prakashan. • schmacher, e. f. (n.d.). small is beautiful. vintage books london. • vasudevan, k. (1967). gandhian economic. bhartiy vidya bhawan. • बालुभाई मेहता. (1946). खादी मीमांसा . नई दिल्ली: सस्ता साहित्य मण्डल.
ई-संसाधन	www.gandhiheritageportal.org www.libgen.ic e-pustkalaya
अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण

1. पाठ्यचर्या का नाम: बौद्ध दर्शन प्रमुख के आयाम ऐच्छिक अंतरानुशासनिक
2 पाठ्यचर्या का कोड: EC03
3 क्रेडिट: 02
4. सेमेस्टर: द्वितीय
5 पाठ्यचर्या विवरण:

प्रस्तुत पाठ्यचर्या बौद्ध दर्शन की प्रारंभिक और बुनियादी मान्यताओं से छात्रों का परिचय कराती है। बौद्ध दर्शन का आयाम काफी विस्तृत और संश्लिष्ट है। परंतु शांति अध्ययन के विद्यार्थियों के लिये बौद्ध दर्शन की प्राथमिक जानकारी इसके मूलभूत सिद्धांत जैसे आर्यसत्य, प्रतीत्प समुत्पाद, अष्टांगिक मार्ग, निर्माण समीचीत होगी। प्रस्तुत पाठ्यचर्या को पढ़कर विद्यार्थी गौतम बुद्ध के जीवन, उनके दर्शन की मूल मान्यताओं कुछ प्रमुख बौद्ध दार्शनिकों के अवदान और त्रिपिटक साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे ।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	24
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	02
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

6 अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. विद्यार्थी गौतम बुद्ध कके जीवन की प्रमुख घटनाओं से परिचित हो सकेंगे।
2. वे प्रमुख बौद्ध शाखाओं तथा त्रिपिटक शाखाओं को प्रारंभिक ज्ञान प्राप्त सकेंगे।
3. वे बौद्ध दर्शन की मूलभूत मान्यताओं से अवगत हो सकेंगे।
4. वे अतिपय महत्वपूर्ण बौद्ध दार्शनिकों के अवदान से परिचित हो सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	13. गौतम बुद्ध का जीवन 14. बौक्द्ध परिषद और उनका विभाजन हीनयान और महायान 15. पालि त्रिपिटक साहित्य 16. बुद्ध घोष, दिङनाग और धर्म कीर्ति का जीवन और कार्य	**12**	**2**	**1**	**15**	**50%**
मॉड्यूल 2	13. शील समाधि और प्रजा 14. चार आर्यसत्य 15. आर्य अष्टांगिक मार्ग 16. प्रतीत्य समुत्पाद	**12**	**2**	**1**	**15**	**50%**

	17. निर्वाण					
योग		**24**	**4**	**2**	**30**	**100%**

टिप्पणी:

12 माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक**/** उप**-**शीर्षक रखे जा सकते हैं।
13 प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल **15** घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबंधित विषय पर लेखन कौशल का विकास एक मानवाधिकार कार्यकर्ता के कौशल का विकास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम	**X**	**X**	**X**	**X**	-	-	-	-

परिणाम की प्राप्ति								

टिप्पणी**:**

11 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

12 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी** (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

1. गौतम बुद्ध और उनके उपदेश - आनन्द श्रीकृष्ण, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भारतीय दर्शन की रुपरेख - बद्री नारायण सिंह
3. बौद्ध और उनका धम्म - डॉ. वी. आर. अम्बेडकर
4. बौद्ध धर्म का सार - पी.एल. नरसू
5. भारतीय दर्शन - हरियाणा

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1- पाठ्यचर्या का नाम: सभ्यता विमर्श और गांधी
(Name of the Course)

2- पाठ्यचर्या का कोड:EC04
(Code of the Course)

3- क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर:_IV_**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	25
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	5
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:_
(Description of Course)

एम.ए. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

इकाई-1 सभ्यता और संस्कृति विमर्श के भारतीय संदर्भों से न केवल परिचित कराती है अपितु राष्ट्र के प्रति एक लगाव भी पैदा करती है। गांधी के जीवन-संदर्भ के माध्यम से व्यक्तित्व विकास के विभिन्न पहलुओं को अध्येताओं के समक्ष रखा गया है |

इकाई-2 में हिन्द स्वराज के बहाने आजादी की लड़ाई,बौद्धिक संघर्ष,आधुनिक सभ्यता,शिक्षा और स्वदेशी के अंतर्निहित तत्वों से परिचित करता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. भारतीय संदर्भ में सभ्यता और संस्कृति के विमर्श सेपरिचित होंगे।
2. महात्मा गांधी के जीवन और संघर्ष से परिचित हो पाएंगे।
3. हिन्द स्वराज की रचना-प्रक्रिया और भारत की तत्कालीन राजनीतिक-आर्थिक परिस्थितियों को समझने में सक्षम होंगे।
4. आधुनिक-सभ्यता के खतरों से परिचित होंगे।
5. राष्ट्र-निर्माण के उपादानों से परिचित हो सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	सभ्यता और संस्कृति :	6	1		7	23.3

	भारतीय संदर्भ					
मॉड्यूल-2	निष्काम कर्मयोगी गांधी : जीवन और संदर्भ	6	2		8	26.6
मॉड्यूल-3	हिंद स्वराज, बौद्धिक और राजनीतिक संदर्भ,	6	2		8	26.6
मॉड्यूल-4	गांधी और आधुनिक सभ्यता	6	1		7	23.3
योग					**30**	**100**

टिप्पणी:

9. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

10. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	• आगमनात्मक,निगमनात्मक,चिंतनशील,समेकित/एकीकृत,अंतरानुशासनिक
विधियाँ	• व्याख्यान सह परिचर्चा ,विचार विमर्श,सामूहिक परिचर्चा,प्रस्तुतीकरण,पैनल चर्चा,संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	• सहयोगी अधिगम,पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम,व्यष्टि अध्ययन,केन्द्रित समूह चर्चा
उपादान	• पावर पॉइंट प्रस्तुति,ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट),ई-संसाधन,शोध पत्र,स्मार्टबोर्ड

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
सभ्यता विमर्श और गांधी	X	X	X	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

9. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Gandhi, M K . (1989). *Hind swaraj: Or, Indian home rule*. Ahmedabad: Navajivan Pub. House.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Gandhi, M. (2009).*Gandhi: 'Hind Swarraj' and Other Writings Centenary.*Parel, A J (Ed.). London:

		combrige 2. Gandhi, M.K. (2010). *Indian Home Rule (hind Swaraj)*. Melhotra, S.R. (Ed.). Biblophile south Asia. 3. राय,मनोज कुमार.(2015) हिन्द स्वराज: अरथ अमित आखर अति थोरे. वाराणसी:लोकायत. 4. किशोर, गिरिराज. (2019). *हिन्द स्वराज: गांधी का शब्द–अवतार*. नई दिल्ली: सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

तृतीय सेमेस्टर

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1 पाठ्यचर्या का नाम: गांधी के बाद गांधी विचारक
2 पाठ्यचर्या का कोड: MGP-009
3 क्रेडिट: 04
4. सेमेस्टर: तृतीय
5 पाठ्यचर्या विवरण:

इस पाठ्यक्रम में गांधी के बाद के गांधीवादी विचारकों के विचारों का अध्ययन कराया जाएगा। गांधी विचारकों की विविधता तथा अभिनव प्रयोगों से परिचित कराया जाएगा।

भूदान ,ग्राम दान,शांति सेना,सर्वोदय की अवधारणा से अवगत करवाया जाएगा। साथ ही अहिंसक आंदोलन का महत्व व भारतीय विचारकों और अन्य अलग अलग देशों के गांधीवादी विचारकों के विचारों का भी अध्ययन कराया जाएगा

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	04
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

6 अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. विद्यार्थी गांधी के बाद गांधी के विचारकों को जान पायेंगे।
2. वे भूदान,ग्रामदान,सर्वोदय,संपूर्ण क्रांति की अवधारणा को समझ पायेंगे।
3. वे अहिंसक आंदोलनों के महत्व को समझ सकेंगे।
4. विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय विचारकों के विचारों से परिचित हो सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**1.** गांधी विचार की उर्वरता और विविधता **2.** खान अब्दुल गफ्फार खाँ और खुदाई खिदमतगार **3.** विनोबा भावेः जीवन और दर्शन **4.** जय प्रकाश नारायणः समाजवाद से सर्वोदय	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 2	1. भूदान दर्शनः भूदान आन्दोलन 2. ग्राम दान, शांति सेना 3. सर्वोदय से सम्पूर्ण क्रांति 4. अन्य अहिंसक आंदोलन : चिपको, नर्मदा	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**

	बचाओ, बचपन बचाओ					
मॉड्यूल 3	1 डॉ. राम मनोहर लोहियाः सप्त क्रांति और सत्याग्रह 2 चौखंभा राज्य, इतिहास चक्र 3 जे. सी. कुमारप्पाः स्थायित्व का अर्थशास्त्र और समुचित तकनीक 4 समकालीन गांधीवादी विचारक: आचार्य राममूर्ति, दादा धर्माधिकारी, ठाकुरदास बंग	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 4	1. डॉ. मार्टिन लूथर किंगः रंगभेद के खिलाफ आंदोलन 2. ए.टी. आर्यरत्ने : नये सामाजिक संरचना के प्रवक्ता 3. नेल्सन मंडेलाः उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन 4. आंग-सांग-सूकी : लोकतंत्र के लिये संघर्ष	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
योग		**48**	**8**	**4**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

14 माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक**/** उप**-**शीर्षक रखे जा सकते हैं।

15 प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल **15** घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबंधित विषय पर लेखन कौशल का विकास शांति कार्यकर्ता के कौशल का विकास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	**X**	**X**	**X**	**-**	-	-	-

टिप्पणी**:**

13 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

14 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

1. Gandhi, M.K. (2011). An Autobiography or The Story of My Experiment with Truth. Ahmedabad: Navajivan Publishing House
2. Gandhi, M.K. (1945). Constructive Programmes: Its Meaning and Place. Ahmedabad. Navajivan Publishing House.
3. Gandhi, M.K. (1948). Delhi Diary (Prayer Speeches from 10-9-1947 to 30-1-1948) . Ahmedabad Navajivan Publishing House
4. Gandhi, M.K.(1930). Ethical Religion: Neeti Dharma.Tr.by A.Rama Iyyer from Hindi. Madras: S. Ganeshan
5. Gandhi, M.K. (2011). India of My Dreams . New Delhi. Rajpal and Sons Gandhi, M.K. (2013). Hind Swaraj. Centenary Edition. Rajpal Publication,
6. Gandhi, M. K.(1955). My Religion . Ahmedabad. Navajivan Publishing House Gandhi, M. K. (1949). Non-violence in Peace and War, Navjeevan Trust
7. Gandhi, M.K. (1972). Satyagraha in South Africa . Ahmedabad. Navajivan Publishing House
8. Gandhi, M.K. (1998). The Bhagvadgita . Delhi: Orient Paperbacks Mahatma Gandhi (1957). An Autobiography: The Story of My Experiments with Truth
9. Martin Burgess Green (1993). Gandhi: voice of a new age revolution
10. Arthur Herman (2008). Gandhi & Churchill: The Epic Rivalry that Destroyed an Empire and Forged Our Age Gandhi, M.K. "Some Rules of Satyagraha Young India (Navajivan) 23 February 1930". The Collected Works of Mahatma Gandhi
11. Rafiq Zakaria (2002). The Man who Divided India
12. Christopher, Chapple . (1993). Nonviolence to Animals, Earth, and Self in Asian Traditions
13. Faisal, Devji. (2012). The Impossible Indian: Gandhi and the Temptation of Violence . Harvard University Press

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1 पाठ्यचर्या का नाम: शोध प्रविधि
2 पाठ्यचर्या का कोड: MGP- 010
3 क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: तृतीय
5 पाठ्यचर्या विवरण:

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**48**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**08**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	04
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

शोध मानव की जिज्ञासु प्रवृत्ति का परिणाम है।वह अज्ञात तथ्यों का पता लगाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ता रहता है।
इस पाठ्यक्रम में शोध का अर्थ,परिभाषा, प्रकृति,उद्देश,आवश्यकता और महत्व का अध्ययन किया जाएगा।
शोध की समस्याएं, प्रकार,चरण और शोध कर्ता के आवश्यक गुणों का भी अध्ययन किया जाएगा।
शोध प्रविधि के विविध आयामों का अध्ययन कराया जाएगा।शांति शोध का महत्व और उसकी वर्तमान में प्रासंगिकता का अध्ययन कराया जाएगा।
तकनीकी किस प्रकार से शोध में सहायक हो सकती है उसका अध्ययन भी करवाया जाएगा।

6 अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
1. विद्यार्थी शोध प्रविधि के विविध आयामों से परिचित हो सकेंगे।
2. वे शांति शोध की अवधारणा को समझ पायेंगे।
3. वे शोध में नैतिकता के महत्व को समझ सकेंगे।
4. शोध में तकनीक के महत्व को समझ सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**5.** शोध का अर्थ एवं परिभाषाएं **6.** शोध की प्रकृति **7.** शोध के उद्देश्य **8.** शोध की आवश्यकता एवं महत्व	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**

मॉड्यूल 2	5. शोध के मुख्य चरण 6. शोध के प्रकार 7. शोध समस्या 8. शोध कर्ता के मुख्य गुण	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 3	5 प्राकल्पना 6 प्राथमिक एवं द्वितीयक आंकड़े 7 मात्रात्मक एवं गुणात्मक प्रविधि 8 घटना अध्ययन (Case Study)	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 4	5. शांति शोध 6. शोध और नैतिकता 7. कम्प्यूटर का शोध में प्रयोग 8. इंटरनेट का शोध में उपयोग	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
योग		**48**	**8**	**4**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

16 माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक**/** उप**-**शीर्षक रखे जा सकते हैं।

17 प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल **15** घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबंधित विषय पर लेखन कौशल का विकास शांति कार्यकर्ता के कौशल का विकास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	**X**	**X**	**X**	**-**	-	-	-

टिप्पणी**:**

15 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

16 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

1. Berg, Bruce L., 2009, Qualitative Research Methods for the Social Sciences. Seventh Edition. Boston MA: Pearson Education Inc.
2. Creswell, J. (1998). Qualitative inquiry and research design: Choosing among five traditions. Thousand Oaks, California: Sage Publications.
3. Creswell, J. (2003). Research Design: Qualitative, Quantitative, and Mixed Methods Approaches. Thousand Oaks, California: Sage Publications.
4. Franklin, M.I. (2012). Understanding Research: Coping with the Quantitative-Qualitative Divide. London and New York: Routledge.
5. Guba, E. and Lincoln, Y. (1989). Fourth Generation Evaluation. Newbury Park, California: Sage Publications.
6. Herrman, C. S. (2009). "Fundamentals of Methodology", a series of papers On the Social Science Research Network (SSRN), online.
7. Howell, K. E. (2013). Introduction to the Philosophy of Methodology. London: Sage Publications.
8. Ndira, E. Alana, Slater, T. and Bucknam, A. (2011). Action Research for Business, Nonprofit, and Public Administration - A Tool for Complex Times . Thousand Oaks, CA: Sage.
9. Joubish, Farooq Dr. (2009). Educational Research Department of Education, Federal Urdu University, Karachi, Pakistan
10. Patton, M. Q. (2002). Qualitative research & evaluation methods (3rd edition). Thousand Oaks, California: Sage Publications.

11. Silverman, David (Ed). (2011). Qualitative Research: Issues of Theory, Method and Practice, Third Edition. London, Thousand Oaks, New Delhi, Singapore: Sage Publications
12. Soeters, Joseph; Shields, Patricia and Rietjens, Sebastiaan. 2014. Handbook of Research Methods in Military Studies New York: Routledge

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1 पाठ्यचर्या का नाम: गांधी का शैक्षिक चिंतन और प्रयोग

2 पाठ्यचर्या का कोड: MGP- 011

3 क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: तृतीय

5 पाठ्यचर्या विवरण:

शुद्ध जिज्ञासा और निरन्तर शंका किसी भी ज्ञान की पहली शर्त है। वैश्विक शांति और अहिंसक समाज के लिए शिक्षा भी उसी प्रकार की होनी चाहिए।आदमी साक्षरता अथवा विद्वता से आदमी नहीं बनता,बल्कि सच्चे जीवन के लिए ली गई शिक्षा से बनता है। इस पाठ्यक्रम में हम शिक्षा के विविध आयामों, सिद्धान्तों, शिक्षण पद्धतियों, व्यक्तित्व विकास में शिक्षा के महत्व,बुनियादी एवं नई तालीम के भेद,गांधी के शिक्षा सम्बन्धी महत्वपूर्ण विचारों,स्वालम्बन की अवधारणा,शांति शिक्षा एवं समाज परिवर्तन में शिक्षा किस प्रकार उपयोगी है उसका अध्ययन करेंगे।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**48**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**08**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	04
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

6 अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. विद्यार्थी गांधी के शैक्षिक चिंतन और प्रयोगों को समझ पायेंगे।
2. वे बुनियादी शिक्षा और नई तालीम की अवधारणा को जान सकेंगे।
3. वे स्वावलंबन के प्रयोगों के महत्व से परिचित होंगे ।
4. वे सामाजिक परिवर्तन में शिक्षा के महत्त्व को समझ सकेंगे ।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**9.** शिक्षा का अर्थ, आयाम और उद्देश्य **10.** शिक्षा के आधारभूत सिद्धांत **11.** शिक्षण-पद्धति **12.** गांधी की बुनियादी शिक्षा	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 2	9. व्यक्तित्व विकास में शिक्षा की उपादेयता 10. बुनियादी शिक्षा और नई तालीम का पार्थक्य-बोध 11. शिक्षण माध्यम और भाषा की संवेदना	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 3	9 स्वावलंबी शिक्षा और गांधी का शैक्षणिक चिंतन 10 ब्रिटिश शिक्षा प्रणाली की बुनियाद में गांधी की बुनियादी शिक्षा की प्रयोगशीलता	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**

	11 वर्धा शिक्षा योजना					
मॉड्यूल 4	9. शिक्षा एवं शांति शिक्षा 10. शिक्षा एवं मूल्य शिक्षा 11. समाज परिवर्तन की दिशा में शिक्षा की उपयोगिता	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
योग		**48**	**8**	**4**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

18 माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक**/** उप**-**शीर्षक रखे जा सकते हैं।

19 प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल **15** घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबंधित विषय पर लेखन कौशल का विकास शांति कार्यकर्ता के कौशल का विकास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	**X**	**X**	**X**	**-**	-	-	-

टिप्पणी**:**

17 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

18 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

14. Gandhi, M.K. (2011). An Autobiography or The Story of My Experiment with Truth. Ahmedabad: Navajivan Publishing House
15. Gandhi, M.K. (1945). Constructive Programmes: Its Meaning and Place. Ahmedabad. Navajivan Publishing House.
16. Gandhi, M.K. (1948). Delhi Diary (Prayer Speeches from 10-9-1947 to 30-1-1948) . Ahmedabad Navajivan Publishing House
17. Gandhi, M.K.(1930). Ethical Religion: Neeti Dharma.Tr.by A.Rama Iyyer from Hindi. Madras: S. Ganeshan
18. Gandhi, M.K. (2011). India of My Dreams . New Delhi. Rajpal and Sons Gandhi, M.K. (2013). Hind Swaraj. Centenary Edition. Rajpal Publication,
19. Gandhi, M. K.(1955). My Religion . Ahmedabad. Navajivan Publishing House Gandhi, M. K. (1949). Non-violence in Peace and War, Navjeevan Trust
20. Gandhi, M.K. (1972). Satyagraha in South Africa . Ahmedabad. Navajivan Publishing House
21. Gandhi, M.K. (1998). The Bhagvadgita . Delhi: Orient Paperbacks Mahatma Gandhi (1957). An Autobiography: The Story of My Experiments with Truth
22. Martin Burgess Green (1993). Gandhi: voice of a new age revolution
23. Arthur Herman (2008). Gandhi & Churchill: The Epic Rivalry that Destroyed an Empire and Forged Our Age Gandhi, M.K. "Some Rules of Satyagraha Young India (Navajivan) 23 February 1930". The Collected Works of Mahatma Gandhi
24. Rafiq Zakaria (2002). The Man who Divided India
25. Christopher, Chapple . (1993). Nonviolence to Animals, Earth, and Self in Asian Traditions
26. Faisal, Devji. (2012). The Impossible Indian: Gandhi and the Temptation of Violence . Harvard University Press

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1 पाठ्यचर्या का नाम: सत्याग्रह की अवधारणा
2 पाठ्यचर्या का कोड: MGP- 012
3क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: द्वितीय
5 पाठ्यचर्या विवरण:

यह पाठ्यचर्या गाँधी दर्शन के एक प्रमुख घटक 'सत्याग्रह' की अवधारणा से संबंधित है। 'सत्याग्रह' गांधी दर्शन का एक विशिष्ट पद है, जो एक साथ आध्यात्मिक और राजनैतिक क्रियाशीलता को समेटे हुए है। गाँधीजी के जीवन दर्शन में ही सत्याग्रह की भावना अंर्तनिहित है । साध्य और साधन की एक रुपता जैसे उच्च आदर्शों के साथ यह भारत के स्वाधीनता आंदोलन का एक कारगर अस्त्र भी रहा है । प्रस्तुत पाठ्यचर्या में विद्यार्थी सत्याग्रह की दार्शनिक अवधारणा के साथ-साथ गांधीजी द्वारा किये गये विभिन्न सत्याग्रह के तरीकों से भी परिचित हो सकेंगे।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	04
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**68**

6 अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. विद्यार्थी गाँधीवादी रणनीतिके एक प्रमुख हथियार सत्याग्रह की अवधारणा को समझ सकेंगे।
2. वे नागरिक समाज में प्रतिरोध के विभिन्न स्वरुपों को पहचान सकेंगे।
3. वे गांधीजी द्वारा सत्याग्रह के विनित्न प्रयोंगो से परिचित होंगे ।
4. वे समकालीन समय में सत्याग्रह के सकारात्मक प्रयोगों के प्रति सचेत हो सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	सत्याग्रह का अर्थ, आयाम एवं आधार तत्व सत्याग्रह का ऊद्भव सत्याग्रह के प्रकार सत्याग्रह का दर्शन	**15**	**1**	**1**	**17**	**25%**

मॉड्यूल 2	निष्क्रिय प्रतिरोध एवं सत्याग्रह सत्य की अनुभूति और सत्याग्रह का प्रयोग सत्याग्रहः अहिंसक प्रतिरोध की प्रविधि गांधी का जीवन दर्शन एवं सत्याग्रह का साम्य	**15**	**1**	**1**	**17**	**25%**
मॉड्यूल 3	असहयोग की अवधारणा और सत्याग्रह का दर्शन सविनय अवज्ञा सत्याग्रह : संघर्ष और समाधान की तकनीकी सत्याग्रह : दक्षिण अफ्रिका एवं भारत	**15**	**1**	**1**	**17**	**25%**
मॉड्यूल 4	चम्पारण सत्याग्रह खेडा सत्याग्रह अहमदाबाद सत्याग्रह नमक सत्याग्रह	**15**	**1**	**1**	**17**	**25%**
योग		**60**	**4**	**4**	**68**	**100%**

टिप्पणी:

20 माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक**/** उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

21 प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल **15** घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तिचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबन्धित विषय पर लेखन कौशल का विकास एक शांति कार्यकर्ता के कौशल का विकास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रन्थों एवं मूल पाठ्यपुस्तकों पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के आध्यान, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना	विद्यार्थी संबंधित विषय के अध्ययन द्वारा समाज में संबंधित विषय में ज्ञान उत्पादन अग्रसर होगा	संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	संबंधित विषय में गैर-सरकारी क्षेत्र जैसे कि एन जी ओ आदि में रोजगार के अवसर मिलेंगे। वह स्वयं की सामाजिक संस्था बना कर समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए काम करेगा।

टिप्पणी:

19 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

20 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	

पूर्णांक	**25**	**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी** (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

आधार ग्रंथ	• gandhi, m. k. (2001). non-violent resistance (satyagrah). usa: dover publication. • gandhi, m. k. (2015). satyagrah in south africa. prabhat prakashan. • gandhi, m. k. (2018). towards non-violent socialism. creative media partner,LLC.
संदर्भ ग्रंथ	• कृपलानी, ज. ब. (1938). द गांधीय नवे. बॉम्बे: बॉम्बे, वोरा. • दत्त, ड. ए. (2016). महात्मा गांधी का दर्शन. पटना: बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी. • दिवाकर , आ. आ. (1949). सत्याग्रह मीमांसा. नई दिल्ली: सस्ता साहिया मण्डल . • वर्मा , व. (1979). गांधी का नैति कदर्शन. नई दिल्ली: इन्दु प्रकाशन. • सिंह, द. (1975). गांधी वाद को विनोवा की देन. पटना: बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी. • गोपीनाथ धवन. (1951). सर्वोदय तत्व दर्शन . साहित्य प्रकाशन . • सिंह,रामजी.(2015).गांधी दर्शन मीमांसा.बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी.पटना
ई-संसाधन	www.gandhiheritageportal.org www.libgen.ic e-pustkalaya
अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1 पाठ्यचर्या का नाम: पर्यावरण और गांधी

2 पाठ्यचर्या का कोड: EC-04

3 क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: तृतीय

5 पाठ्यचर्या विवरण:

मनुष्य को सम्मिलित करते हुए जंतु-जगत,वनस्पति-जगत और प्राकृतिक जगत के बीच एक सन्तुलन है जो कई प्रकार की ऐसी क्रियाओं -अन्तर्क्रियाओं द्वारा बनाए रखा जाता है, जो मनुष्य को शेष जीवन के साथ जोड़ती हुई उसके सम्पूर्ण जैविक परिवेश और सामाजिक नियति को अपने घेरे में लेती है। इस पाठ्यक्रम में हम विकास की अवधारणा स्थायी विकास ,आधुनिकता, विकास की राजनीति, विभिन्न पर्यावरणीय संकटों, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे सुरक्षात्मक प्रयासों तथा गांधी और पर्यावरण के नए विमर्श के साथ साथ सादगी पूर्ण जीवन शैली,श्रम का सौंदर्य, प्राकृतिक संसाधनों के नीति पूर्ण इस्तेमाल का अध्ययन करेंगें।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	04
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

6 अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

1. विद्यार्थी पर्यावरण विमर्श को गांधी की दृष्टि से समझ सकेंगे।
2. वे विकास और स्थायी विकास के अंतर को समझ सकेंगे ।
3. वे वर्तमान समय में पर्यावरण में हो रहे परिवर्तनों को लेकर सजग हो सकेंगे ।
4. वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण को लेकर हो रहे प्रयासों को जान सकेंगे ।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**13.** विकास का अर्थ **14.** स्थायी विकास **15.** बुटलैण्ड कमीशन **16.** आधुनिकता, विकास और राजनीति	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल 2	12. जल संकट 13. प्राकृतिक सम्पदा संकट 14. ऊर्जा संकट 15. वायु संकट–एसिड बरफात, ग्रीन इफेक्ट हाऊस	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल	12 यू.एन. के प्रयास 13 शिखर सम्मेलन	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**

3	14 1972 रियो सम्मेलन 15 1994 क्योटो सम्मेलन 16 शिखर सम्मेलनों का मूल्यांकन					
मॉड्यूल 4	12. सादगी पूर्ण जीवन शैली 13. श्रम का सौन्दर्य 14. स्वदेशी का आग्रह 15. प्राकृतिक संसाधन	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
योग		**48**	**8**	**4**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

22 माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक**/** उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

23 प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल **15** घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा आधारित अधिगम
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान, विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तरी, समूहिक परिचर्चा
तकनीक	पी पी टी, वृत्तचित्र, फिल्म आदि
उपादान	संबंधित विषय पर लेखन कौशल का विकास शांति कार्यकर्ता के कौशल का विकास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य **1**	लक्ष्य **2**	लक्ष्य **3**	लक्ष्य **4**	लक्ष्य **5**	लक्ष्य **6**	लक्ष्य **7**	लक्ष्य **8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी**:**

21 **X-** पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

22 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**05**	**05**	**07**	**08**	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

27. Gandhi, M.K. (2011). An Autobiography or The Story of My Experiment with Truth. Ahmedabad: Navajivan Publishing House
28. Gandhi, M.K. (1945). Constructive Programmes: Its Meaning and Place. Ahmedabad. Navajivan Publishing House.
29. Gandhi, M.K. (1948). Delhi Diary (Prayer Speeches from 10-9-1947 to 30-1-1948) . Ahmedabad Navajivan Publishing House
30. Gandhi, M.K.(1930). Ethical Religion: Neeti Dharma.Tr.by A.Rama Iyyer from Hindi. Madras: S. Ganeshan
31. Gandhi, M.K. (2011). India of My Dreams . New Delhi. Rajpal and Sons Gandhi, M.K. (2013). Hind Swaraj. Centenary Edition. Rajpal Publication,
32. Gandhi, M. K.(1955). My Religion . Ahmedabad. Navajivan Publishing House Gandhi, M. K. (1949). Non-violence in Peace and War, Navjeevan Trust
33. Gandhi, M.K. (1972). Satyagraha in South Africa . Ahmedabad. Navajivan Publishing House
34. Gandhi, M.K. (1998). The Bhagvadgita . Delhi: Orient Paperbacks Mahatma Gandhi (1957). An Autobiography: The Story of My Experiments with Truth
35. Martin Burgess Green (1993). Gandhi: voice of a new age revolution
36. Arthur Herman (2008). Gandhi & Churchill: The Epic Rivalry that Destroyed an Empire and Forged Our Age Gandhi, M.K. "Some Rules of Satyagraha Young India (Navajivan) 23 February 1930". The Collected Works of Mahatma Gandhi
37. Rafiq Zakaria (2002). The Man who Divided India
38. Christopher, Chapple . (1993). Nonviolence to Animals, Earth, and Self in Asian Traditions
39. Faisal, Devji. (2012). The Impossible Indian: Gandhi and the Temptation of Violence . Harvard University Press

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

7. पाठ्यचर्या का नाम: गांधीवादी प्रबंधन(CC)
(Name of the Course)

8. **पाठ्यचर्या का कोड: EC-06**
(Code of the Course)

9. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: तृतीय**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+8= 20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य व्यवसायिक जीवन में सफल होना तथा व्यवसायिक नीति के अनुसार व्यवसाय प्रबंधन को गांधीवादी अर्थ शास्त्र के अनुसार सफल उद्योजक बनाना।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम PLOs(Programme Learning Outcomes) : पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत :
(Course Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	गांधीवादी नीति के अनुसार व्यवसाय का न्यासपूर्ण प्रबंधन
कौशल / दक्षता संबंधी	नीतिहिन व्यापार के परिप्रेक्ष्य में गांधीवादी व्यवसायिक मूल्यों को व्यवसाय में अपना कौशल बनाना।
रोजगार संबंधी	व्यवसाय परक रोजगार के लिए सफल उद्योजक के रुप में आत्मनिर्भरता का कौशल विकसित करना।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the **Course)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल - 1	•					
मॉड्यूल - 2	•					
मॉड्यूल - 3	•					
मॉड्यूल – 4 नैतिकता	• प्रबंधकीय नैतिकता • मानव मूल्यों तथा उपभोक्ताओं के लिए आदर • सात सामाजिक पाप • एकादश व्रत	10	03	02	15	
योग		10	**03**	**02**	**15**	

टिप्पणी:

11. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

12. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीकएवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अधिगम
विधियाँ	व्याख्यान एवं विश्लेषण विधि, संवाद प्रणाली एवं प्रश्नोत्तर प्रणाली
तकनीक	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, सहायक सामाग्री का प्रयोग, श्यामपट का प्रयोग एवं विभिन्न शैक्षणिक तकनीकि का प्रयोग
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख फोटो प्रति आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शांति की संस्कृति और गांधी पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	--	X	X	X	--	X	X

टिप्पणी:

11. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

12. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा(75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	• ऑन लाइन व्याख्यान, पी.पी.टी. ।
4	अन्य	• पत्र-पत्रिकायें

चतुर्थ सेमेस्टर

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

10. पाठ्यचर्या का नाम: हिन्द स्वराज का पाठ

(Name of the Course)

11. पाठ्यचर्या का कोड:MGP-013

(Code of the Course)

12. क्रेडिट: 4 _4. सेमेस्टर:_IV_

(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:_

(Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

एम.ए. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

•हिन्द स्वराज का पाठ- महात्मा गांधी द्वारा रचित यह कृति अपनी रचना काल से ही एक अनिवार्य विमर्श के रूप में हमारे समक्ष रही है। प्रस्तुत पाठ भारत की आजादी के संघर्ष के साथ ही असल भारतीयता को परिभाषित करती है। यह रचना आधुनिक सभ्यता की आलोचना के साथ ही स्वराज और स्वदेशी के सूत्रों से परिचित कराती है। शिक्षा,सभ्यता,संस्कृति के अनेक पहलुओं से परिचित कराने वाली यह पुस्तक राष्ट्र निर्माण के प्रमुख कारकों की तरफ ध्यान आकृष्ट करती है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी गांधी के सामाजिक और राजनीतिक सिद्धांतों से परिचित होंगे।
2. गांधी के ब्याज से हिंदुस्तान की गुलामी के कारणों की पड़ताल कर संकेंगे।
3. स्वराज और स्वदेशी की अवधारणाओं से परिचित हो सकेंगे।
4. सभ्यता और संस्कृति के विमर्श से परिचित होंगे।
5. उन्हें पता चलेगा कि हिंदू-मुस्लिम संबंधों,शिक्षा और अस्पृश्यता जैसे मुद्दों पर गांधी के क्या विचार थे।
6. वे जवाब दे पाएंगे कि गांधी ने स्वदेशी का पक्ष क्यों लिया और वे आधुनिक औद्योगिक सभ्यता के आलोचक क्यों बने।
7. भारत और भारतीयता से परिचित होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	1- कांग्रेस और उसके कर्ता-धर्ता 2- बंग-भंग 3- अशांति और असन्तोष	8	2		10	16.66
मॉड्यूल-2	1- -स्वराज क्या है 2- इंग्लैंडकी हालत 3- हिन्दुस्तान कैसे गया ?	8	1		9	15
मॉड्यूल-3	1- हिन्दुस्तानकी दशा1 हिन्दुस्तानकी दशा-२, 2- हिन्दुस्तान की दशा-3 3- हिन्दुस्तानकी दशा-४ 4-	10	2		12	20

	हिन्दुस्तानकी दशा-५,					
मॉड्यूल-4	1- सभ्यता का दर्शन 2- सच्ची सभ्यता कौनसी?	6	1		7	11.66
मॉड्यूल-5--	1- हिन्दुस्तान कैसे आज़ाद हो ? 2- इटली और हिन्दुस्तान	6	1		7	11.66
मॉड्यूल-6	1- गोला-बारूद 2- सत्याग्रह – आत्मबल	6	1		7	11.66
मॉड्यूल-7	1- शिक्षा 2- मशीनें 3- छुटकारा	6	2		8	13.33
योग					**60**	**100**

टिप्पणी:

13. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

14. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	• आगमनात्मक,निगमनात्मक,चिंतनशील,समेकित/एकीकृत,अंतरानुशासनिक
विधियाँ	• व्याख्यान सह परिचर्चा ,विचार विमर्श,सामूहिक परिचर्चा,प्रस्तुतीकरण,पैनल चर्चा,संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	• सहयोगी अधिगम,पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम,व्यष्टि अध्ययन,केन्द्रित

	समूह चर्चा
उपादान	• पावर पॉइंट प्रस्तुति,ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट),ई-संसाधन,शोध पत्र,स्मार्टबोर्ड

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
हिन्द स्वराज का पाठ	X	X	X	X	X	X	X	--

टिप्पणी:

13. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

14. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Gandhi, M K . (1989). *Hind swaraj: Or, Indian home rule*. Ahmedabad: Navajivan Pub. House.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Prasad, Nageshwar. (1985). *Hind Swaraj, a Fresh Look*.Gandhi Peace Foundation. 2. Dantwala, M.L. (1945). *Gandhism reconsidered*. Bombay: Padma Publications. 3. Schumacher, D. (2012). *Small is Beautiful in the 21st Century: The legacy of E.F. Schumacher*. Green Books. 4. Sethi, J.D. (1979). *Gandhi Today*. Vikas Publishing House. 5. Gandhi, M. (2009).*Gandhi: 'Hind Swarraj' and Other Writings Centenary*.Parel, A J (Ed.). London: combrige 6. Gandhi, M.K. (2010). *Indian Home Rule (hind Swaraj)*. Melhotra, S.R. (Ed.). Biblophile south Asia. 7. राय,मनोज कुमार.(2015) हिन्द स्वराज: अरथ अमित आखर अति थोरे. वाराणसी:लोकायत. 8. किशोर, गिरिराज. (2019). *हिन्द स्वराज: गांधी*

		का शब्द–अवतार. नई दिल्ली: सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	https://www.gandhiheritageportal.org/hi
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1- पाठ्यचर्या का नाम: गांधी विचार और सौंदर्य बोध
(Name of the Course)

2- पाठ्यचर्या का कोड: MGP-014

(Code of the Course)

3- क्रेडिट: 4 4. सेमेस्टर:4
(Credit)
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

एम.ए. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :
प्रस्तुत अध्ययन इकाई कला और सौंदर्य के स्वरूप से परिचित कराते हुए संबन्धित सिद्धांतों का बोध कराती है। इकाई -1 में सौंदर्य आंतरिक तत्वों का उदघाटन और प्रक्रिया एवं सिद्धांतों का आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है | सौंदर्यबोध के विकास में सामाजिक और आर्थिक स्थिति के महत्व पर प्रकाश पड़ता है। इकाई-2 गांधी की कला-दृष्टि का रेखांकन करते हुए व्यक्तियों में सृजनात्मकता की वृद्धि हेतु प्रोत्साहित करती है। इकाई-3 कला और जीवन के बीच के संबन्धों को रेखांकितएवं |

Unit –I कला और **सौंदर्य-**● परिभाषा ● पाश्चात्य अवधारणा● पौर्वात्य अवधारणा● के विकास में

Unit –II **गांधीवादी सौंदर्यबोध के स्रोत और सिद्धांत -**● पाश्चात्य● पौर्वात्य● कला कला के लिए ● कला जीवन के लिए

Unit –III **कला और जीवन-** ● प्रकृति● साहित्य ● संगीत ● सिनेमा

Unit –IV **गांधीवादी सौंदर्यबोध की विरासत-**● कला और स्वदेशी ● श्रम और सौंदर्य● कला पर समसामयिक विमर्श (रवीन्द्र नाथ टैगोर और आनंद कुमारस्वामी)● गांधीवादी सौंदर्यबोध की आलोचना

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

1- कला और सौंदर्य की परिभाषाओं/अवधारणाओं से परिचित हो सकेंगे।
2- कला की भारतीय आवधारणाओं से अवगत हो सकेंगे।

3- कला और सौंदर्य पर गांधी के विचारों से अवगत हो सकेंगे।
4- कला और स्वदेशी के आपसी रिश्तों की पड़ताल में सक्षम हो सकेंगे।
5- कला और कला आलोचना के दर्शन के विचारों और बहसों से परिचित हो सकेंगे।
6- कला-सिद्धांतों के समकालीन बहस से परिचित हो पायेंगे।
7- कला और जीवन तथा कला और प्रकृति के बीच के सामंजस्य को समझने में सक्षम होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**कला और सौंदर्य-** परिभाषा,पाश्चात्य अवधारणा,पौर्वात्य अवधारणा, सौंदर्यबोध के विकास में सामाजिक और आर्थिक स्थिति का महत्व	10	5		15	25
मॉड्यूल-2	Unit –II **गांधीवादी सौंदर्यबोध के स्रोत और सिद्धांत -** ● पाश्चात्य● पौर्वात्य ● कला कला के लिए ● कला जीवन के लिए					
मॉड्यूल-2	**कला और जीवन-** प्रकृति,साहित्य,संगीत, सिनेमा	10	5		15	25
मॉड्यूल-3	**कला और जीवन-** प्रकृति,साहित्य,	10	5		15	25
	संगीत,सिनेमा					
मॉड्यूल-4	**गांधीवादी सौंदर्यबोध की विरासत-**कला और	10	5		15	25

	स्वदेशी,श्रम और सौंदर्य,					
	कला पर समसामयिक विमर्श (रवीन्द्र नाथ टैगोर और आनंद कुमारस्वामी)					
	गांधीवादी सौंदर्यबोध की आलोचना					
योग						

टिप्पणी:

15. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

16. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	• आगमनात्मक,निगमनात्मक,चिंतनशील,समेकित/एकीकृत,अंतरानुशासनिक
विधियाँ	• व्याख्यान सह परिचर्चा ,विचार विमर्श,सामूहिक परिचर्चा,प्रस्तुतीकरण,पैनल चर्चा,संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	• सहयोगी अधिगम,पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगमव्यष्टि अध्ययन,केन्द्रित समूह चर्चा
उपादान	• पावर पॉइंट प्रस्तुति,ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट),ई-संसाधन,शोध पत्र,स्मार्टबोर्ड

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
गांधी विचार और	X	X	X	X	X	X	X	--

सौंदर्य बोध पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								

टिप्पणी:

15. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

16. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. कुमार बिमल. (1998). *सौन्दर्यशास्त्र के तत्व*. नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन. 2. **Parel J, A. (2008). *Gandhi's Philosophy and the Quest for Harmony*. London: Cambridge**

		University Press . 3. **Kumar, C. P. (2012). *Gandhian Humanism*. LAP Lambert Academic Publishing. Mishra, P.A. (2019).** 4. ***Gandhian Humanism and Theory of Social Hormony*. Serials Publications Pvt Ltd.** 5. **Kumar, B. (2011). *Art and Archaeology of South-East Asia*. Aryan Books International.** 6. **राय, कुबेरनाथ. (2004). *पत्र मणिपुतुल के नाम*. वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.** 7. बिमल, कुमार. (1998). *सौन्दर्यशास्त्र के तत्व*. नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन 8. Gandhi, M.G. (1969). *Gandhian Aesthetics*. VikasBharti. 9. Chakrabarti, M. (1991). *Gandhian Aesthetics*. Atlantic Publisher & Distributor. 10. Chakrabarti, M. (1992). *Gandhian Humanism*.Concept Publishing. 11. अवस्थी, ओम. (1985). *रचना-प्रक्रिया. नई दिल्ली*: राजकुमार राष्ट्रभाषा संस्थान. 12. मढ़ेर्कर, बाल सीताराम. (1936). *कला और मानव*. नई दिल्ली: न्यू इंडिया प्रेस. 13. राय,मनोज कुमार. (2003). महात्मा गांधी का सौंदर्यबोध. वाराणसी:कला प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	https://www.gandhiheritageportal.org/hi
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

अधिष्ठाता / Dean
संस्कृति विद्यापीठ
School of Culture